कीन्स का अर्थशास्त्र

(1) देश का G.D.P और रोजगार समग्र माँग (Aggregate Demond) पर निर्भर करता हैं।

(2) समग्र माँग की संरचना निम्न प्रकार होती है —

$$AD \text{ (समग्र मांग)} = C + I + G + (X - M)$$

(i) C = Consumption (उपभोग) —

→ उपभोग संतुष्टि प्राप्त करने के लिए किया गया खर्च होता है। कीन्स के अनुसार एक न्यूनतम स्तर को छोड़कर उपभोग आय पर सकारात्मक रूप से निर्भर करता हैं।

Diagram —

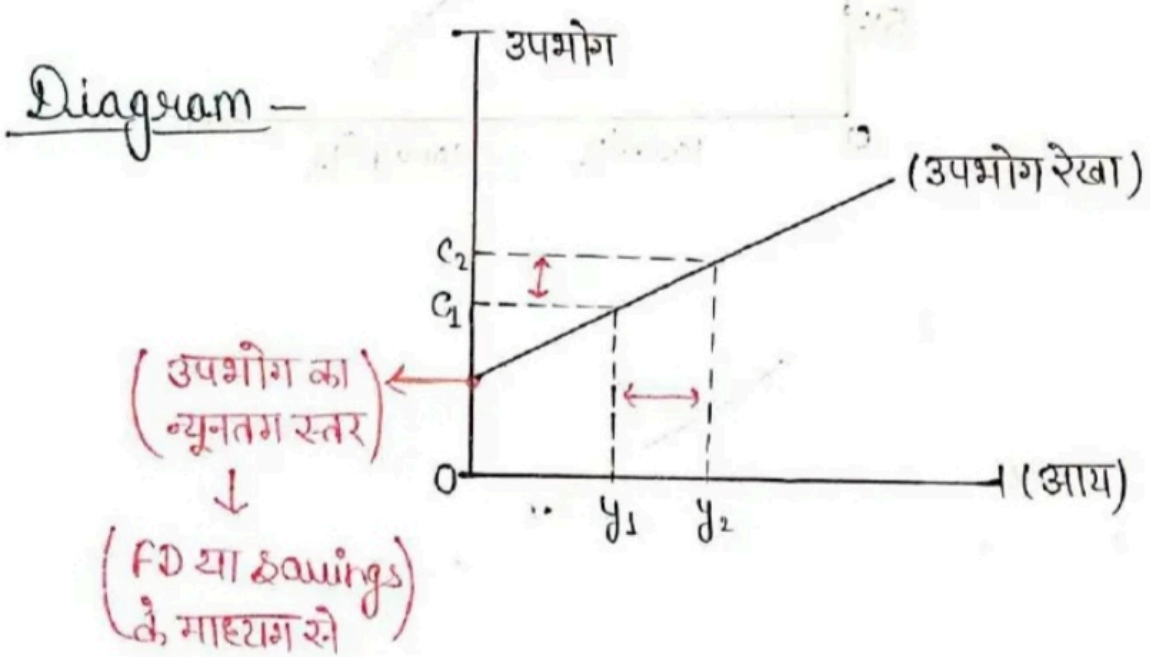

→ कीन्स के अनुसार उपभोग मे परिवर्तन आय मे परिवर्तन की तुलना मे कम होता है क्योंकि लोग आय के एक भाग की बचत भी कर लेते हैं।

(ii) I = Investment (निवेश) —

निवेश एक खर्च होता है जो उत्पादन क्षमता के विस्तार के लिए किया जाता है। यह मुख्य रूप से मशीनो, उपकरणो, भवनो, आदि पर किया जाता हैं

निवेश ब्याज दर पर निर्भर करता है। लेकिन वह उसके साथ नकारात्मक रूप से जुड़ा होता हैं

Diagram —

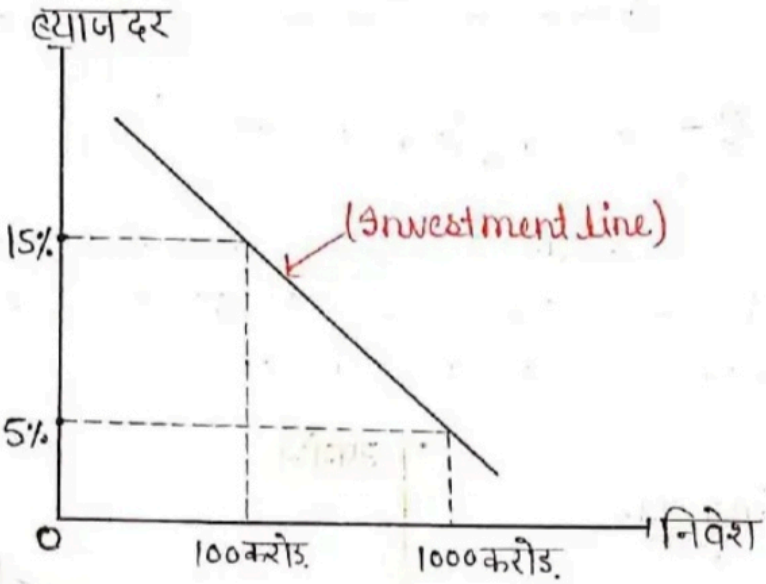

(iii) G = Govt. Expenditure (सरकारी खर्च) —

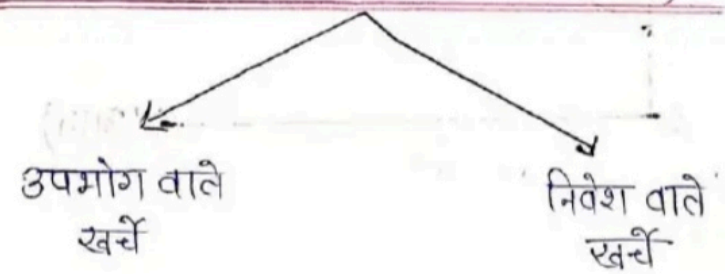

एक देश की घरेलु वस्तुओ और सेवाओ पर विदेशी निवासियो द्वारा किया जाने वाला खर्च।

Diagram —

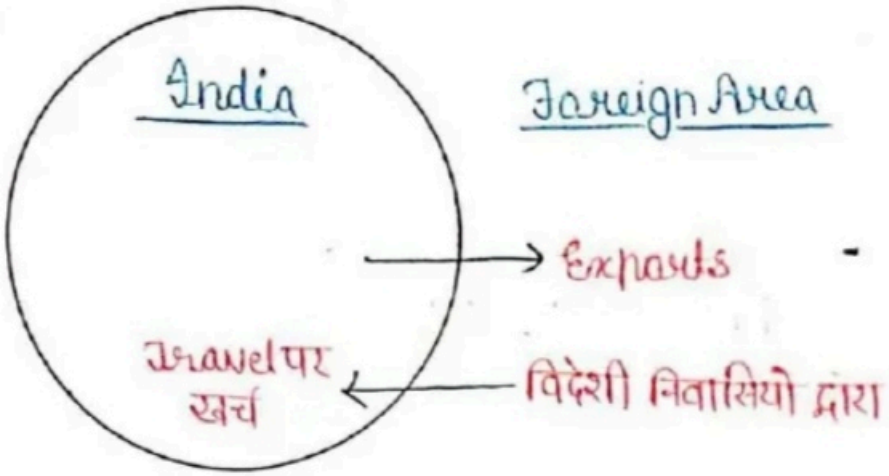

(V) M = Imports (आयात) —

घरेलु निवासियो द्वारा विदेशी वस्तुओ और सेवाओ पर खर्च। कीन्स के अनुसार एक न्यूनतम स्तर को छोड़कर आयातो का स्तर G.D.P के स्तर पर निर्भर करता हैं।

Diagram —

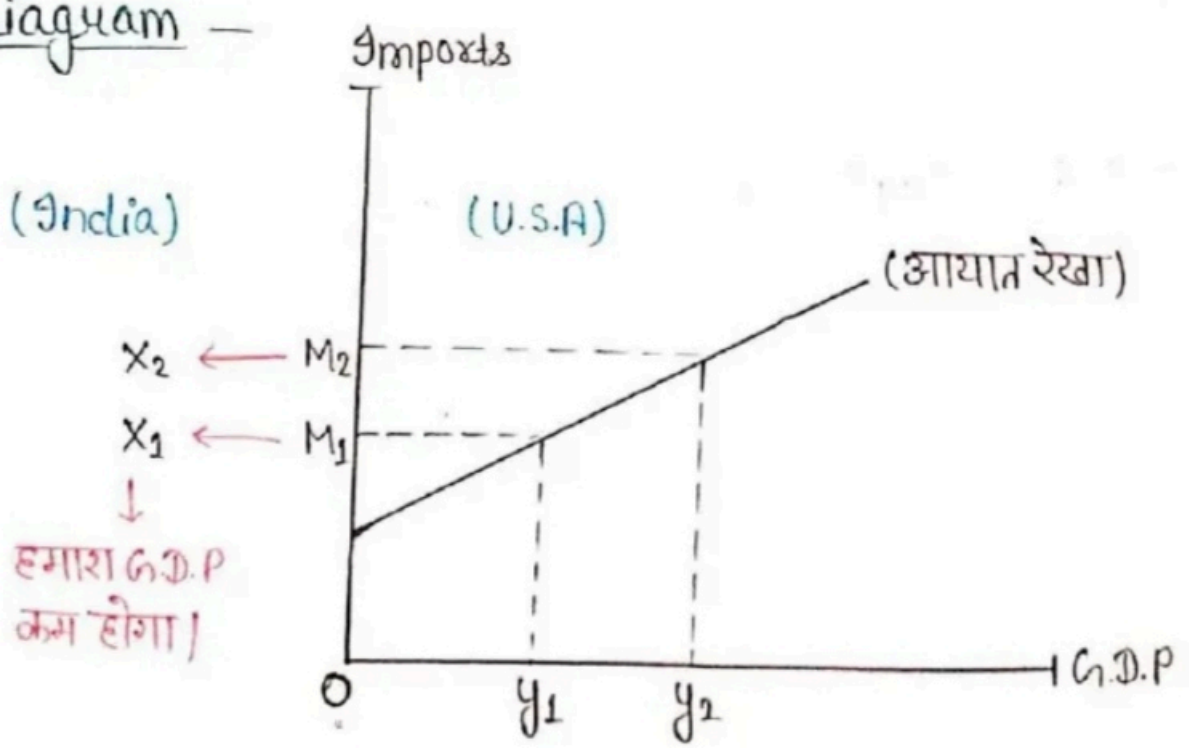

(3) यदि कोई राष्ट्र आयात- निर्यात नहीं करता है तो उसे बंद अर्थव्यवस्था (Closed Economy & Cuso Economy) या क्लूसो अर्थव्यवस्था कहते हैं।

→ यह Three Sector Economy (त्रि- क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था) भी कहते हैं क्योंकि इसमें समग्र मांग निम्न प्रकार होती है —

$$AD = C + I + G$$

(4) यदि कोई देश आयात- निर्यात करता है तो उसे खुली अर्थव्यवस्था भी कहते हैं। उसे Four Sector Economy भी कहते हैं।

$$AD = C + I + G + (X - M)$$

(NX → Net exports)